Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

वसुधैव कुटुम्बकम्- विचार, वैशिष्टय एवं वर्तमान विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी

Newspaper: Amar Ujala **Date: 27-05-2023**

देश की संकल्पना श्रेष्ठ बने समूचा विश्व : प्रो. शुक्ल

हकेंवि में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन, कुलपति बोले- देश के इतिहास को जानें और उस पर गर्व करें

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा वसुधैव कुटुंबकम- विचार, वैशिष्टय एवं वर्तमान विषय पर केंद्रित एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता शरद जयश्री कमलाकर चव्हाण उपस्थित रहे। संगोष्ठी की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीना ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्य वक्ता पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहआचार्य डॉ. हरित कुमार मीना ने कहा कि हमें वसुधैव कुटुंबकम् की अवधारणा को समझने के लिए भारत के वैदिक साहित्य को भी समझना होगा। भारत सदैव से ही अतुलनीय रहा है और

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

नील नदी का नाम भारत से जुड़कर ही बना

सदा विश्व कल्याण हेतु सभी को एक साथ जोड़ने का ही मंत्र दिया है। इसी क्रम में शरद जयश्री कमलाकर चव्हाण ने कहा कि भारतीय सभ्यता सदैव से ही अध्ययन, चिंतन व नवाचार के मोर्चे पर समृद्ध रही है।

नदी के किनारे विकसित भारतीय सभ्यता में सदैव अपनत्व का भाव देखने को मिलता है। यही परंपरागत सांस्कृतिक मूल्य वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा के पोषक हैं। मुख्य अतिथि प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि भारत पुरातन काल से ही विश्व बंधुत्व के भाव के साथ अपनी एक अलग पहचान स्थापित किए हुए है। नील नदी का नाम भारत से जुड़कर ही बना है।

इसी तरह ज्ञात मानव इतिहास को देखें तो भारत ही वह देश है जिसने समूचे विश्व को नई तकनीक उपलब्ध कराई। कोरोना काल का उल्लेख करते हुए प्रो. रजनीश शुक्ल ने कहा कि हमने जिस तरह से इस संकट की घड़ी में न सिर्फ खुद को सुरक्षित व आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया बल्कि समूचे विश्व को भी इस महामारी से बचाने के लिए मदद उपलब्ध कराई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत इतिहास को जानकर उस पर गर्व करना होगा और इसी मंत्र के साथ हम नए भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं। इस मौके पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नंद किशोर, प्रो. बीरपाल सिंह यादव, डॉ. विद्युलता रेड्डी, डॉ. अजय कुमार, डॉ. विकास सिवाच आदि उपस्थित रहे।

गणितीय मॉडलिंग पर प्रतिभागियों को दी जानकारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में मैथमैटिकल मॉडलिंग विद सिमुलेशन इन एप्लाइड साइंसेज विषय पर डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला के पांचवें दिन के पहले तकनीकी सत्र में एमएनएनआईटी इलाहाबाद में गणित विभाग के सह आचार्य प्रो. मुकेश कुमार ने (2$1)-आयामी युग्मित एमकेडीवीसीबीएस समीकरण के कुछ अपरिवर्तनीय समाधान विषय पर अपना व्याख्यान दिया। दूसरे सत्र में हकेंवि के इंजीनियरिंग एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. फूल सिंह ने इमेज प्रोसेसिंगः एन ओवरव्यू विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए गणित विभाग व आयोजकों को बधाई दी। डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित इस कार्यशाला के पांचवें दिन के तीसरे तकनीकी सत्र में निजवा विश्वविद्यालय, ओमान में गणितीय और भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. महमूद खालिद जसीम ने सामाजिक, स्वास्थ्य और व्यावहारिक भौतिक विज्ञान में गणितीय मॉडलिंग पर प्रतिभागियों को विस्तार से अवगत कराया। गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. जितेंद्र कुमार ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. एके यादव ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समापन सत्र का संचालन शोधार्थी पारूल पूनिया ने किया। कार्यशाला के अंत में प्रो. फूल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 27-05-2023**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक दिवसीय संगोष्ठी

भारतीय सभ्यता के विकास महत्त्व पर डाला प्रकाश

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में शुक्रवार को एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा वसुधैव कुटुम्बकम्- विचार, वैशिष्टय एवं वर्तमान विषय पर केंद्रित एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता शरद जयश्री कमलाकर चव्हाण उपस्थित रहे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहआचार्य डॉ. हरित कुमार मीना

संगोष्ठी को संबोधित किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन व कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीना ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया।

मुख्य वक्ता डॉ. हरित कुमार मीना ने कहा कि हमें वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा को समझने के लिए भारत के वैदिक साहित्य को भी समझना होगा। आयोजन के मुख्य अतिथि प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने भारतीय सभ्यता के विकास और उसके महत्त्व पर प्रकाश डाला। आयोजन के अंत में प्रकोष्ठ के सह संयोजक डॉ. श्रीराम पाण्डे ने सभी सहभागियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नंद किशोर, प्रो. बीर पाल सिंह यादव, डॉ. विद्युलता रेड्डी, डॉ. अजय कुमार, डॉ. विकास सिवाच आदि मौजूद रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 27-05-2023**

हकेंवि में एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ ने करवाई संगोष्ठी

भारत सदैव से ही अतुल्नीय रहा: डॉ. मीना

■ संगोष्ठी की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा वसुधैव कुटुम्बक- विचार, वैशिष्टय एवं वर्तमान विषय पर केंद्रित एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आयोजन में मुख्यातिथि महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता शरद जयश्री कमलाकर चव्हाण उपस्थित रहे जबकि मुख्य वक्ता के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय सहआचार्य डॉ. हरित कुमार मीना संगोष्ठी को संबोधित किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन व कुलगीत के साथ हुई।

महेंद्रगढ़। मुख्यातिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति। फोटो: हरिभूमि

इसके पश्चात एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ नोडल अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीना ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्य वक्ता डॉ. हरित कुमार मीना कहा कि हमें वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा को समझने के लिए भारत के वैदिक साहित्य को भी समझना होगा। भारत सदैव से ही अतुल्नीय रहा है प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने अपने संबोधन में भारतीय सभ्यता के विकास और उसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत पुरातन काल से ही विश्व बंधुत्व के भाव के साथ अपनी एक अलग पहचान स्थापित किए हुए है। इस मौके पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नंद किशोर, प्रो. बीर पाल सिंह यादव, डॉ. विद्युलता रेड्डी, डॉ. अजय कुमार, डॉ. विकास सिवाच आदि उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 27-05-2023**

हकेवि में एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित

महेंद्रगढ़, 26 मई (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ द्वारा वसुधैव कुटुम्बकम्-विचार, वैशिष्टय एवं वर्तमान विषय पर केंद्रित एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्यातिथि के रूप में महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल तथा विशिष्टातिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्त्ता शरद जयश्री कमलाकर चव्हाण उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डा. हरित कुमार मीना संगोष्ठी को संबोधित किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

संगोष्ठी में प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत इतिहास को जानकर उस पर गर्व करना होगा और इसी मंत्र के साथ हम नए भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं। कुलपति ने युवाओं से इस प्रयास में सक्रिय योगदान का अनुरोध किया। आयोजन के अंत में प्रकोष्ठ के सह- संयोजक डा. श्री राम पांडे ने सभी सहभागियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नंद किशोर, प्रो. बीर पाल सिंह यादव, डा. विद्युलता रैड्डी, डा. अजय कुमार व डा. विकास सिवाच आदि उपस्थित रहे।